पाठ 3. आलसी कौआ

पाठ का परिचय

गिलहरी, कौआ और भालू बाग में बैठे थे। कौए ने सुझाव दिया कि मिलकर खेती की जाए और जो कुछ मिले उसे बराबर-बराबर बाँट लिया जाए। तीनों ने इस बात के लिए सहमति दे दी। एक दिन गिलहरी ने खेत जोतने का प्रस्ताव रखा। भालू और गिलहरी काम करने चले गए, लेकिन कौए ने बहाना बनाकर बाद में आने की बात कही। अगले दिन गिलहरी ने बीज बोने की बात की, तब भी भालू उसके साथ गया लेकिन कौए ने बहाना बना दिया। जब खेत में पानी देने की बात आई तब भी कौआ बहाना बनाकर नहीं गया। फ़सल पककर तैयार हो गई। गिलहरी ने मिलकर फ़सल काटने की बात की लेकिन कौआ नहीं गया। वह बाग में ही घूमता रहा। भालू और गिलहरी अपना-अपना हिस्सा ले आए लेकिन कौए का हिस्सा खेत में ही पड़ा रहा। अगले दिन वर्षा आई और कौए का सारा हिस्सा पानी में बह गया। कौआ कुछ भी न कर सका। वह पेड़ पर बैठा काँव-काँव ही करता रहा।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

समय रहते यदि काम न किया जाए तो सदैव नुकसान ही उठाना पड़ता है। आलसी व्यक्ति जीवन में कभी तरक्की नहीं करता। 'कर्म' के सिद्धांत को जीवन में उतारने से ही जीवन में प्रगति की राह पर आगे बढ़ा जाता है। अतः आलस को त्यागो और कर्मशील बनो।

पाठ का वाचन

पूरी कहानी पहले खुद पढ़ें और फिर सभी बच्चों से एक-एक अनुच्छेद पढ़वाएँ। अनुच्छेद पढ़वाते समय कठिन शब्दों को रेखांकित करवाएँ तथा उनके उच्चारण को बार-बार दोहराएँ जैसे– गिलहरी, कौआ, तीनों। उन वर्णों पर अधिक ज़ोर दें जिनपर मात्राएँ लगी हैं ताकि मात्राओं के उच्चारण बच्चों को अधिक स्पष्ट हो जाएँ। अनुच्छेद पढ़वाते समय बीच-बीच में प्रश्न भी पूछें –

- कौए ने क्या करने का सुझाव दिया?
- गिलहरी और भालू ने कौए के सुझाव पर क्या सोचा? हल चलाने की बात पर कौए ने क्या बहाना बनाया?
- कक्षा में बैठे सभी बच्चों से इन प्रश्नों के उत्तर जानें। इससे कहानी बच्चों को अधिक स्पष्ट हो जाएगी।

महत्वपूर्ण चर्चा

बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न पूछकर कक्षा में चर्चा करें –

- क्या तुम भी आलस करते हो?
- अपने घर के किन-किन कामों में मदद करते हो?
- अपने कौन-कौन से काम तुम अपने-आप करते हो?
- क्या तुम किसी आलसी व्यक्ति को जानते हो?

बच्चों से उनकी जान-पहचान के आलसी लोगों की कहानियाँ भी सुनें।